

बीकानेर के एक दिवसीय दौरे के दौरान राज्यपाल ने विभिन्न कार्यक्रमों में की शिरकत शैक्षिक नवाचारों को जितना अपनाया जाएगा हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के रास्ते खुलेंगे : मिश्र

छुकेशन रिपोर्टर, बीकानेर।

राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार को बीकानेर में रहे। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में अमृत वाटिका का लोकार्पण करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति से देश ज्ञान आधारित बनेगा। इस नीति में स्टूडेंट्स की सुचिं व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने युनिवर्सिटी में 'हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृत करने की संभावनाएं और चुनौतियों' विषय पर आयोजित नेशनल सेमिनार को संबोधित किया। मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की सुचिं व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि शैक्षिक नवाचारों को जितना अपनाया जाएगा, हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के रास्ते खुलेंगे। साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले डॉ. छग्न मोहता, डॉ. श्रीलाल मोहता, हरीश भाद्राणी, मोहम्मद सदीक, अजीज आजाद, राजानंद भटनागर, निर्मोही व्यास, रामदेव आचार्य, यादवेंद्र शर्मा चंद्र और अन्नाराम सुदामाआदि के योगदान को याद किया। विश्वविद्यालय के कल्पति प्रो. मनोज दीक्षित, पूर्व कुलपति डॉ. एके गहलौत मौजूद रहे।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण जरूरी

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के महेनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारण तरीकों पर चिंतन किया जाए। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषकों की आय बढ़ावा देते कृषि में विविधिकरण' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि बहुती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, बनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। सेमिनार के दैशन थीम आधारित पांच सत्र होंगे। राज्यपाल मिश्र ने 'क्रॉप इंज्यूमेंट एंड म्यूट्रेशन ब्रीडिंग' पुस्तक का विमोचन किया। सेमिनार में कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्वी गौतम सहित शिक्षाविद, कृषि विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के डीन-डायरेक्टर, आचार्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

अमृत वाटिका की शुरूआत

इससे पहले राज्यपाल ने महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय परिसर में अमृत वाटिका का लोकार्पण किया। अमृत वाटिका में संभाग के 137 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर पौधों का नामकरण किया गया है। इसमें बीकानेर के 22, चूरु जिले के 90, श्रीगंगानगर जिले के 12 तथा हनुमानगढ़ जिले के 13 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम शामिल हैं।

आवासीय छात्रावास का लोकार्पण

राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में नवीनीकृत आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। यह छात्रावास विवाहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरुशक्ति एग्री इनोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजेरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली।

एक दिवसीय दौरे पर रहे राज्यपाल कलराज मिश्र : अमृत वाटिका और छात्रावास का किया लोकार्पण, राष्ट्रीय सेमिनार में बोले... **'किसानों की जख्तों को समझते हुए शोध करें, ताकि पैदावार बढ़े और किसानों को लाभ हो'**

पत्रिका पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जात, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, बांकों की कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

यह बात सोमवार के स्वापी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएस्यू) में कृषकों की आय बढ़ाने के लिए कृषि में विविधकरण विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कही।

उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिससे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो। कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समझदू होंगे, तो अर्थव्यवस्था मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को पारंपरिक खेतों के स्थान पर वैशिक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें।

नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय (एमजीएस्यू) में हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृत करने की सम्भावनाएँ और चुनौतियों विषयक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार के समापन सत्र में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के स्वर्चारीय विकास



महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में मोजूद विद्यार्थी व अतिथि। (इन्सेट) संबोधित करते राज्यपाल कलराज मिश्र।

एसकेआरएस्यू में आवासीय छात्रावास और एमजीएस्यू में अमृत वाटिका का लोकार्पण



मरु शक्ति एवं इनोवेटिव फूड इकाई का अवलोकन करते राज्यपाल।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने एसकेआरएस्यू परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से संचालित मरु शक्ति एवं इनोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली। वहीं एमजीएस्यू में तेवर अमृत वाटिका का लोकार्पण भी किया गया। अमृत वाटिका में संभाग के 137 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर पौधों का नामकरण किया गया है।

की अवधारणा के साथ भारतीय आधारित देश बनाना है। उन्होंने कहा जननायक की आकांक्षाओं की कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्यापक अधिविक्षित है। इसमें विद्यार्थियों की दृष्टिकोण पर आधारित नीति है, जो रुचि व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसका उद्देश्य भवत को ज्ञान और बढ़ायाएँ।

कृषि विज्ञान केंद्रों का करेंगे भ्रमण

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि प्रसार के शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों की ओर से अनेक नविचार किए जा रहे हैं। इनसे किसानों को होने वाले लाभ को समझने और जानने के लिए वे अगले महीने से कृषि विज्ञान केंद्रों का भ्रमण करेंगे और किसानों के साथ संवाद करेंगे। इसको लेकर कार्यक्रम तैयार किया जाएगा।

बीकानेर के भाईचारे, आत्मीयता-अपनापन को बताया विशेष

राज्यपाल मिश्र ने बीकानेर के भाईचारे, आत्मीयता और अपनापन को विशेष बताया। साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले डॉ. छग्न मोहता, डॉ. श्रीलाल मोहता, हरीश भाद्राणी, माहमद सरीक, अजीज आजाद, राजानंद भट्टाचार्य, निर्मली व्यास,

भारत को पुनः विश्व गुरु बनने की आशीर्वाद देने वाले डॉ. अरुण कुमार सिंह, बीटीयू के



एमजीएस्यू में सेमिनार के दोस्रा शिक्षा नीति पर विचार व्यक्त करती छात्रा हर्षिता शर्मा।



इलेटिक वाहन पर राज्यपाल।

कुलपति डॉ. अम्बरीष शरण विद्यार्थी, गर्जावास के कुलपति डॉ. सतीश कुमार गर्ग, जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गोतम, पूर्व कुलपति डॉ. एक गलत तथा एमजीएस्यू में कुलपति आर्चर्च मनज दीक्षित बीकानेर पूर्व से विधायक सिद्धि कुमार, राजस्थान राज उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. ई.एस. चुडावत सहित अन्य उपस्थित रहे।

यह रहे उपस्थित

एसकेआरएस्यू में कुलपति डॉ. अरुण कुमार सिंह, बीटीयू के

व्यापार कोड स्कॉल कर बीड़ियों देखें...

शैक्षिक नवाचारों को अपनाने से खुलेंगे आगे बढ़ने के रास्ते : राज्यपाल मिश्र

बीकानेर, 11 सिंतंबर

प्रेम : राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सम्बोधीण विकास की अवधारणा के साथ भारतीय जनमानस की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में 'हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृत करने की संभावनाएं और 'चुनौतियों' विषयक राष्ट्रीय सेमिनार के समापन और अमृत वाटिका के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की स्वतंत्रता पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसका उद्देश्य भारत को ज्ञान आधारित नीति है, जो भारत को पुनः



राज्यपाल कलराज मिश्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए नवाचार की जानकारी लेते हुए।

विश्व गुरु बनने की ओर बढ़ाएंगी। शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा का समर्पण किया गया है। उन्होंने कहा कि आज देश तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। भारत में विश्व को एक साथ रखकर विश्व कंघट्ट को साकार करने की क्षमता

है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा नीति के परिपेक्ष में समय-समय पर ऐसे आयोजन करें।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के साथ पारिस्थितिकी संतुलन और पर्यावरण संरक्षण विषय पर किए जा रहे काबी की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अमृत महोत्सव के तहत अमृत वाटिका तैयार की गई है तथा इसके पौधों के साथ बीकानेर संभाग के शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के शिला फलक लगाकर पौधों का नामकरण शहीदों और सेनानियों के नाम पर किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा युवाओं में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करने की

उद्देश्य से विभिन्न नवाचार किए गए हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी और कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा जलदी ही भारत के प्रमुख व्यक्तियों के नाम से भवनों और पार्कों का नाम सम्मानित किया जाएगा।

इस दौरान पूर्व कुलपति डॉ. ए.के. गहलोत तथा राजस्थान राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रौ. डॉ.एम. चूडाचार्त बतीर अतीधि मीजूद रहे। इससे पूर्व राज्यपाल ने दीप प्रन्नति कर समापन सत्र की शुरूआत की। कुलसचिव अरुण प्रकाश शर्मा ने आगंतुकों का आभार जताया। इस दौरान बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र विधायक सिद्धि कुमारी सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी, विश्व विद्यालय प्रबन्धन बोर्ड और विद्या

परिषद सदस्य, विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक तथा विद्यार्थी मीजूद रहे।

अमृत वाटिका का किया लोकार्पण: इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में अमृत वाटिका का लोकार्पण किया। अमृत वाटिका में संभाग के 13 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर पौधों का नामकरण किया जाएगा।

इसमें बीकानेर जिले के 22, चूरू जिले के 90, श्रीगंगानगर जिले के 12 तथा हनुमानगढ़ जिले के 13 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम सम्मिलित हैं। उद्घाटन के पश्चात राज्यपाल श्री मिश्र ने अमृत वाटिका का अवलोकन किया। उन्होंने महाराजा गंगा सिंह के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधीकरण की महत्ती आवश्यकता : राज्यपाल मिश्र

राज्यपाल ने किसानों के शबानद कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन

न्यूज सर्विस/नवज्ञोति, बीकानेर। राज्यपाल कलगांव मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी पौधों व अन्य चुनौतियों के गहनजर कृषि के उत्पादन, संरक्षण, विकासकरण और कृषि किसिण के कारण तराको पर चिन्ह किया जाए। राज्यपाल मिश्र गीतार को स्वामी के शबानद राज्यवाचन कृषि विश्वविद्यालय में कृषियों की आय बढ़ाने हेतु कृषि में विविधीकरण किसिण दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को शामिल ढार रखे थे।

उक्तानेक्षण किसिणी जनसंघ, सोटी होती जीव, प्राकृतिक संरक्षणीय कमी, गिरजा धू-जल संरक्षणीय कमी और जलसाधारण परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समझ हैं। इसे ने किसानों के आर्थिक विकास में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अन्तर्गत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय किसानों को आर्थिक विकास को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार की



आर्थिक स्थाप हो। उन्होंने कहा कि आज के दैर्घ्य में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधीकरण की महत्ती अत्यधिकता है। कृषिविद्यानिक किसानों को एक क्षमता पर निर्भर नहीं होती है। विविधीकरण के लिए प्रोत्तर हो। ऐसी प्रक्रियाओं को प्रोत्तरीकृत करें, जो कम पानी में पैदा हो तथा भौमिकी वार छोल सकें। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की आर्थिक ग्रेड है। किसान समृद्ध होने तो अर्थव्यवस्था बनचूत होगी। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को वर्गीकरण करनी के स्वरूप पर वैश्वक स्तर पर

हो जो बढ़ाव को आपाने के लिए प्रेरित किया जाए। जिसमें वे आत्मनिपत्र हों जाएं। कुलपति प्री. अर्जुन कुमार ने कहा कि सेवानार के दौरान विविध क्षेत्रों में कृषि किसीपड़ अपने बहुत रखेंगे। सेवनार के दौरान धीम अवधारित पांच वर्ष होंगे। सेमिनार में को नहीं होना आवश्यक होना चाहिए। कालजीम हें दौरान राज्यपाल मिश्र ने कृषि इंस्कॉर्पोरेट एंड ब्यूटीशन बीडिंग पुस्तक का विनोदन किया। उमियास सचिव टी. पी. के बहव ने आमत जाता। उस दौरान मिश्र कलेक्टर भगवती प्रसाद कलात, तुलिस अधिकारी तेजस्वी गौतम माहिर

हिंदाविद, क. पि. विश्वासा, विश्वविद्यालय के हीन-जावरेक्टर, अचार्य तथा विद्यार्थी भौजूट रहे।

उत्तराखण्ड साजावास का किया सोन्करण। राज्यपाल कलगांव मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में नवीनीकित आवासीय साजावास का सोन्करण किया। यह साजावास जिवाहित शोध विद्यार्थीयों के आवास के लिए उपयोग में लाया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान माध्यविद्यालय द्वारा गीचालित पर्लग्जिल एंड इन्वेस्टिव कूनड़इकाई का प्रमाण किया। यह साजावास के मूल्य संवर्धित उत्तराखण्ड की आमदारी ली।

विश्वविद्यालय फसलों पर ऐसे शोध करें जिनसे पैदावार व आय बढ़ें : राज्यपाल

बीकानेर, (कासा)। राज्यपाल कलशन मिश्र ने कहा कि कृषि से तुड़ी औसती व अन्य चुनौतियों के मटेनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविकारण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। राज्यपाल मिश्र स्वामी को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषकों की आय बढ़ि हेतु कृषि गो विविकारण' विषयक दो डिप्लोमा राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, होठी होती जीत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता धूपल पान, जनों का कराई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्काशल, पौधों की उर्वरा शर्किं में कमी और जलवाया परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियों कृषि के योगदान हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्पादन में कृषि विश्वविद्यालयों की प्राप्तिक अत्यधिक महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समाझोत्तुर ऐसे शोध करें, जिनसे गैदावार वह भी जीव किसानों को व्यार्थिक लाग दो।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि प्रशार के शिक्षा के प्रमुख केन्द्र है। कृषि विज्ञान केन्द्रों हुए गठनक नवायार किए जा रहे हैं। इनसे किसानों को होने वाले लाभ को समझने और जानने के लिए न डागले महीने में कृषि विज्ञान केन्द्रों का धम्पत बढ़ावे और किसानों के साथ संचार करें।

उन्होंने बताया कि आज जो दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविकारण की महत्वी आवश्यकता है।



स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन समारोह को राज्यपाल कलशन मिश्र ने संबोधित किया।

कृषि विज्ञान किसानों को एक गासल पर निर्भर नहीं होते हूप विविकारण के लिए प्रेरित करें। ऐसी गासलों की प्रोत्तरीदा करें जो कम जानों में पैदा हो तथा जीसन की भार ज्ञेल सकें। उन्होंने कहा कि फसलों में विविकारण आगनते हुए अन्न के साथ हाले, सर्वियां, फल, फूल, गाढ़ाले और अन्य गौथों की निराई-गुणवत्ता जी जाए।

मिश्र ने कहा कि वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्तरान्न के रूप में बनाया जा रहा है। हमारे देश में भी बाजार, ज्वार वैसे मोटे अनाज बहुतायत में पैदा होते हैं। इनमें गरमारीक फसलों की तुलना में

कैलिकाम, गोटेजियम और होहा जैसे पोषक तत्व प्रदूर याज में होते हैं। इनके मटेनजर किसानों को मोटे अनाज उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए। इनकी गैरेजिंग और भारीटिंग के लिए विश्वविद्यालय विशेष कार्यशालाएं आयोजित करें।

राज्यपाल गिर्जे ने कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की अर्थिक रीढ़ है। किसान सम्बूद्ध होने तो अर्थव्यवस्था सम्बूद्ध होगी। उन्होंने कहा कि इसे मपद्धते हुए, किसानों की पाठ्यार्थिक सुरक्षा के स्थान पर विशेषक स्तर पर ही रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, विषयसे ने आत्मनिर्भर हो

सकें। इससे गहरे सुलगति ग्रो, अहला कृपाल ने दो विवरीय कार्यशाला के बारे में चलाया।

उन्होंने कहा कि सेमिनार के दौरान विभिन्न छेत्रों में कृषि विभेदों अग्रनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान बीमा आवारित गांधी संघ होगे। सेमिनार में योग साईंटिस्ट जगदी भी दिया जायेगा।

उन्होंने विश्वविद्यालय की उत्पादनिकों के बारे में चलाया।

इसमें पहले राज्यपाल कलशन मिश्र ने दोष प्रत्यानित कर सेमिनार का उद्घाटन किया। इसके बाद विश्वविद्यालय का कुल गीत प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल ने सावधान भी

- राज्यपाल कलशन मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी भौसमी व अन्य चुनौतियों के मटेनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविकारण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए।

प्रस्तावना और मूल बतलावों का बाच्चन किया। यह दोषन विश्वविद्यालय द्वारा दैवार डॉवर्म्पेट्री फिल्म वा प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल मिश्र ने 'जॉप हूपलर्ड एंड एलेशन ग्रीडिंग' पुस्तक का विषेषन किया। उन्होंने आपनी पुस्तक 'सैनिकान संस्कृत उत्तराल रहे' तथा 'शिख की संस्कृति' की प्रतियोगीता द्वारा अहला कृपाल सिंह, चौटीय के कृतात्मी द्वारा आवारीष शरण विद्यालय, राज्यपाल के सुलगति द्वारा, गहलोत को मेट की। सेमिनार रायिय द्वारा योग वाद जाताया।

इस दौरान विज्ञा फलोक्टर धारकों प्रसाद बलाल, युलिस अधीक्षकों रोबर्टिनी गौतम साहित विज्ञानिद, कृषि विज्ञान, विश्वविद्यालय के टीन-डायरेक्टर, आनांद तथा नियामी पौरुष थे। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिषद में जननिर्वित आमार्याय द्वारा वास वा लोकार्थण किया।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता- राज्यपाल मिश्र

स्वामी केशवानंद कृषि विवि में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन

बीकानेर, (गुजरात)। गुजरात श्री कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमों व अन्य चुनौतियों के महेनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विषयान के कामगार तरीकों पर ध्येय किया जाए। गुजरात श्री मिश्र मोमबाह को स्वामी केशवानंद गुजरातान कृषि विश्वविद्यालय में काफ़ी की अप्य चृद्ध हेतु कृषि मंल विविधिकरण विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बहुती जनसंख्या, खेती होती जौत, प्रकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, बनों का कटाई, गीन हातम ग्रिसों के दुष्प्रभाव, मुद्दों की उच्चता जैसी में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियों कृषि के समस्या हैं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता है।

फसलों में विविधिकरण अपनाने हुए अन के साथ दलते, सलियां, फज, पूल, मसाले और अन्य पौधों को निरहु-मुद्दाई की जाए। वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन के रूप में मनाया जा रहा है।



हमारे देश में भी बाजार, ज्वार जैसे मोटे अनाज बढ़ाना यत में ऐसा होते हैं। इसके महेनजर किसानों की मोटे अनाज उत्पादन के लिए त्रैरित किया जाए। इससे पहले कूलपति प्रो. अरुण कृष्णन ने दो दिवसीय कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सेमिनार के दौरान विभिन्न शैक्षणिकों में कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान भीम आधारित पांच सत्र होंगे। सेमिनार में यम साईंटस अवार्ड भी दिया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय की उत्तराधिकारियों के बारे में बताया। इससे पहले गुजरात श्री

कलराज मिश्र ने दीप प्रज्ञालित कर सेमिनार का उद्घाटन किया। इसके बाद विश्वविद्यालय का कूल गोत्र प्रस्तुत किया गया। गुजरात श्री मौविशान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का चाचन किया। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा तैयार इंस्क्रिप्शन फिल्म का प्रदर्शन किया गया। गुजरात श्री मिश्र ने कौप इंस्क्रिप्शन पूर्ण प्रृष्ठेश्वर श्रीहिंग पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान जिला कलेकटर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक रेजिस्ट्रेशन गैरिम सहित शिवायिद, कृषि विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के दौन-दायरेकरण,

आवार्य तथा विद्यार्थी मोनूद गो। आवासीय छात्रावास का किया लोकार्पण

गुजरात श्री कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। यह छात्रावास विविहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। गुजरात ने यह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित महसूसिक एवं इलेक्ट्रिक फुड इक्वें का भूमण किया तथा यह बनाए जा रहे जाते के मूल्य संवर्धित उत्पादों की व्यवसायी ली।

राज्यपाल ने किया स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता- राज्यपाल

जयपुर।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के महेनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारण तरीकों पर चिंतन किया जाए।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भूजल स्तर, बनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की

उंचांग शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि प्रसार शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। नवाचारों किसानों को होने वाले लाभ को समझने और जानने के लिए वे अगले महीने से कृषि विज्ञान केंद्रों का भ्रमण करेंगे और किसानों के साथ संवाद करेंगे। उन्होंने



कहा कि आज के दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता है। कृषि वैज्ञानिक किसानों को एक फसल पर निर्भर नहीं रहते हुए विविधिकरण के लिए प्रेरित

करें। ऐसी फसलों को प्रोत्साहित करें, जो कम पानी में पैदा हों तथा मौसम की मार झेल सकें।

मिश्र ने कहा कि वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन के रूप

में मनाया जा रहा है। हमारे देश में भी बाजरा, ज्वार जैसे मोटे अनाज बहुतायत में पैदा होते हैं। इसके महेनजर किसानों को मोटे अनाज उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए। इनकी पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए विश्वविद्यालय विशेष कार्यशाला आयोजित करें।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि हमारे अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को पारंपरिक खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता: राज्यपाल कलराज मिश्र

राज्यपाल ने स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया



बीकानेर (सच कहूँ न्यूज)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के महेनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषकों की आय बढ़ावा हेतु कृषि में विविधिकरण' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, बनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु

परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि प्रसार के शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं। कृषि वैज्ञानिक किसानों को एक फसल पर निर्भर नहीं रहते हुए विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। ऐसी फसलों को प्रोत्साहित करें, जो कम पानी में पैदा हों तथा मौसम की मार झेल सकें। उन्होंने कहा कि फसलों में विविधिकरण अपनाते हुए अन्न के

आवासीय छात्रावास का किया लोकार्पण

राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। यह छात्रावास विवाहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरुशक्ति एंजी इन्नोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली।

विविधिकरण की महत्ती साथ दालें, सब्जियां, फल, फूल, मसाले और अन्य पौधों की निराई-गुड़ाई की जाए। मिश्र ने कहा कि वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें।

इससे पहले राज्यपाल कलराज

मिश्र ने कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। सेमिनार में यंग साइटिस्ट अवार्ड भी दिया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया।

इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया। इसके बाद विश्वविद्यालय का कुल गीत प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल ने संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन किया। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा तैयार डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म का प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल मिश्र ने 'कॉप इंप्रूवमेंट एंड म्यूटेशन ब्रीडिंग' पुस्तक का विमोचन किया।

Group 4 - 12.5.2020

100

विश्वविद्यालय फसलों पर ऐसे शोध करें
जिनसे पैदावार व आय बढ़ें : राज्यपाल



वर्षीय विद्यालय काले विद्यालयमें ग्रन्थालय संग्रहालय के अधीक्षण विभाग वर्षीय विद्यालय

विवेकानन्द, ज्ञानेश्वर, रामेश्वर महाराज आदि इन सभी के गुरुओं के अनुचित व्यवहार के लिए विवरण दिया गया है। इनके अनुचित व्यवहार के लिए विवरण दिया गया है। इनके अनुचित व्यवहार के लिए विवरण दिया गया है।

प्राचीन काल से अपनी विशेषता
के लिए जिस देश का उद्योग है वह
जल विद्युत उत्पादन, जल संरक्षण,
जल वितरण एवं जल विभाग की
भूमि की विनाश विरोध में जल
विभाग द्वारा आयोजित किए गए
प्रयोगशाला एवं विद्युत उत्पादन की
विधियाँ द्वारा दिया गया है। इस
विभाग के अधीन उत्पादन में जल
विभाग की विनाश विरोध में जल
विभाग द्वारा आयोजित किए गए

प्राचीनतम् विद्या है जहां ही अधिक
विद्या विद्या है जहां ही अधिक विद्या
विद्या विद्या है जहां ही अधिक विद्या
विद्या विद्या है जहां ही अधिक विद्या
विद्या विद्या है जहां ही अधिक विद्या

प्रति-विवरण देखने की जगह यह बोलना भी अच्छा हो सकता है। इसके लिए आपको अपने विवरण को जो बात नहीं है जो आप अपने विवरण की जगह बोलने के लिए चुनते हैं। यह बोलने की जगह आप अपने विवरण को बोलने के लिए उपयोग कर सकते हैं। यह आपको अपने विवरण की जगह बोलने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

- राजनीतिक समर्पणों के दृष्टिकोण से यहां तक कि वृक्षों में जुड़ी वैज्ञानिक अध्ययनों का उपर्युक्तताएँ के अन्तर्गत वृक्षों के अध्ययन, वैज्ञानिक विविधताओं और वृक्षों विविधताओं के विवरण तथा इसके विवरण विवरण

प्राचीनतम् विद्या प्राप्ति
कर्ता नाम, ज्ञाने विद्या
विद्याविद् एवं विद्या विद्या
विद्या विद्या, विद्याविद् एव
विद्या विद्या, विद्या विद्या
विद्या विद्या, विद्या विद्या

राजस्थान पश्चिमी & दक्षिणी भास्कर

दिनांक: १२/०९/२३

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

क्रमांक:- प.413/स्वाकेशकृषि/विधि/2023/1580 दिनांक:- 11.09.2023

केवियट सूचना

विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक पदों हेतु जारी भर्ती विज्ञापन संख्या 02/2023 दिनांक 11.09.2023 जारी किया है। इस संबंध में माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर तथा बैच, जयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय नियम 159 के तहत केवियट दायर की जा रही है। अतः इससे संबंधित कोई रिट याचिका किसी भी व्यक्ति/ कर्मचारी द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर तथा बैच, जयपुर में दाखिल करने से पूर्व विश्वविद्यालय के निम्नांकित अधिवक्ताओं को याचिका के तथ्यों सहित सूचित करे ताकि विश्वविद्यालय को सुने बिना कोई आदेश पारित न हो :-

- श्री जयदीप सिंह सलूजा, एडवोकेट, लकड़ी सदन, जसवंत होस्टल के पीछे, सुनारों की बगेची, समृद्धि सोसायटी, रात्मनाड़ा रोड, जोधपुर (मोबाइल नं. 8560994100)
- श्री शाश्वत पुरोहित, एडवोकेट, 32 ए, जय अम्बे कॉलोनी, सिविल लाइन्स, जयपुर मोबाइल नं. (9829229322)

(अजीत कुमार गोदारा)

कुलसचिव